

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना
2.	'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' सम्मान समारोह
3.	प्रेरणा अभियान 2.0 (19 जनवरी से 19 फरवरी, 2026)
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. युद्धाभ्यास खड़ग शक्ति - 2026 2. टेराकोटा स्किल सेंटर - पोकरण (प्रस्तावित) 3. ऑपरेशन शस्यविषम 4. "ग्राम संसद" कार्यक्रम 5. "फिएट जस्टिशिया" राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता 6. प्रिंटपैक राजस्थान प्रदर्शनी का पहला संस्करण 7. ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों (FMCBG) की बैठक : जयपुर 8. रणजीव शंकर : राजस्थान के क्षेत्रीय निदेशक 9. अरावली संरक्षण से सम्बंधित विशेष परियोजना 10. कवि श्री काग बापू लोक साहित्य अवॉर्ड - 2026 11. अशोक बिश्रोई : संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में सम्मानित
5.	बापटा पुरस्कार
6.	नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (RRTS)
7.	संकल्प (SANKALP) योजना
8.	पैक्स सिलिका (Pax Silica) पहल
9.	ब्राजील के राष्ट्रपति की भारत यात्रा
10.	सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP)
11.	पण्य व्यापार सूचकांक (Merchandise Trade Indices)



मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के तहत 22 जनवरी, 2026 से आवेदन आमंत्रित किए गए। इस योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026-27 में 10,000 युवा उद्यमियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा
मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की
गाइडलाइन जारी
मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने
12 जनवरी को किया योजना का शुभारंभ

10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण मिलेगा

योजना का उद्देश्य प्रदेश के एक लाख युवाओं को उद्यमी बनाना
- उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री

मुख्य बिन्दु:

- राष्ट्रीय युवा दिवस - 2026 के अवसर पर लॉन्च की गई इस योजना के तहत फरवरी, 2026 तक सर्वाधिक आवेदकों वाले शीर्ष-3 जिलों में जयपुर (1,358 आवेदन), चूरू (1,172) और बीकानेर (1,028) शामिल है।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना:

- **शुभारंभ** : 12 जनवरी, 2026 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा जयपुर से।
- **योजना अवधि** : 31 मार्च, 2029 तक।
- **लक्ष्य** : योजना के तहत 1 लाख युवाओं को ब्याज मुक्त ऋण देकर सूक्ष्म उद्यमी के रूप में तैयार किया जाएगा।
- **पात्रता** : राजस्थान का स्थायी निवासी होना चाहिए और आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
- शत-प्रतिशत ब्याज अनुदान, CGTMSE शुल्क का भुगतान राज्य सरकार द्वारा।
- अधिकतम ऋण अवधि - 5 वर्ष।

योजना के तहत देय लाभ (शैक्षणिक योग्यता के अनुसार):

8वीं से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदक		
क्षेत्र	अधिकतम ऋण	अनुदान (मार्जिन मनी)
सेवा एवं व्यापार	₹3.5 लाख	अधिकतम ₹35,000 (10 प्रतिशत)
मैनुफैक्चरिंग सेक्टर	₹7.5 लाख	10 प्रतिशत
स्नातक, ITI और अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदक		
क्षेत्र	अधिकतम ऋण	अनुदान (मार्जिन मनी)
सेवा एवं व्यापार	₹5 लाख	₹50,000 (10 प्रतिशत)
मैनुफैक्चरिंग सेक्टर	₹10 लाख	10 प्रतिशत

'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' सम्मान समारोह



चर्चा में क्यों?

- अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) के अवसर पर मरूभूमि शोध संस्थान, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) में साहित्यकार सम्मेलन आयोजित किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- सम्मेलन का मुख्य विषय : 'राजस्थानी - लोक सूं लाइक ताई'।
- सम्मेलन के दौरान मरूभूमि शोध संस्थान, श्रीडूंगरगढ़ द्वारा राजस्थान के विभिन्न साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।
- पं. मुखराम सिखवाल स्मृति राजस्थानी साहित्य सृजन पुरस्कार : कोटा की शिक्षाविद् साहित्यकार डॉ. कृष्णा कुमारी को काव्य कृति 'अस्यो छै म्हारो गाँव' के लिए।
- श्री सूर्य प्रकाश बिस्सा स्मृति राजस्थानी महिला लेखन सम्मान : जयपुर की प्रेमलता सोनी को औपन्यासिक कृति 'खाड्डा पार्किंग' के लिए।
- कला-डूंगर कल्याणी स्मृति राजस्थानी बाल साहित्य सम्मान : हनुमानगढ़ के पूर्ण शर्मा 'पूरण' को 'बोल म्हारी मच्छी कित्तो पाणी' के लिए।
- महाराणा प्रताप राजस्थानी साहित्य सृजन पुरस्कार : बीकानेर के विद्वान कवि और आलोचक तेजसिंह जोधा को।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस : प्रति वर्ष 21 फरवरी को विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1952 के भाषा आंदोलन में शहीद हुए बांग्लादेशी छात्रों के बलिदान के सम्मान में मनाया जाता है।
- 2026 की थीम: "बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़" (Youth Voices on Multilingual Education)



प्रेरणा अभियान 2.0 (19 जनवरी से 19 फरवरी, 2026)



चर्चा में क्यों?

- समेकित बाल विकास सेवाएँ (ICDS) निदेशालय द्वारा 19 जनवरी से 19 फरवरी, 2026 तक राज्यव्यापी 'प्रेरणा अभियान 2.0' का संचालन किया गया।



--:5:--



मुख्य बिन्दु:

- इस अभियान के प्रारम्भ होने से पहले पोषण ट्रेकर पर 2 लाख 91 हजार 696 धात्री माताएँ पंजीकृत थी, वहीं 19 जनवरी, 2026 को अभियान आरम्भ होने के बाद 19 फरवरी, 2026 तक पंजीकृत धात्री माताओं की संख्या 3 लाख 5 हजार 246 हो गई है।
- **अभियान का पूरा नाम** : प्रेग्नेन्सी रजिस्ट्रेशन एण्ड अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन एण्ड न्यूट्रिशन अवेयरनेस - 2.0 (PRERNA - 2.0)
- **आयोजक** : समेकित बाल विकास सेवाएँ (ICDS) निदेशालय।
- **कार्यक्रम का ध्येय** : 'सशक्त आँगनबाड़ी, सुपोषित बचपन'।
- इस अभियान के तहत ICDS सेवाओं से वंचित सभी पात्र लाभार्थियों, गर्भवती (शुरुआती तीन माह) व धात्री महिलाओं, 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों और आकांक्षी जिलों में किशोरी बालिकाओं का पंजीकरण किया गया। पंजीकृत लाभार्थियों को ICDS के तहत सुविधा प्रदान की गई।
- **लक्षित योजनाएँ** : प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना, पूरक पोषाहार, मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना आदि। लाभार्थियों को आँगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से इन योजनाओं से लाभान्वित किया जाना लक्षित किया गया।
- इस अभियान के तहत कुपोषण प्रबंधन के लिए 'अम्मा कार्यक्रम' की तर्ज पर 'सीवियर एक्यूट मालन्यूट्रिशन (SAM) और मॉडरेट एक्यूट मालन्यूट्रिशन (MAM)' की पहचान की गई।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

समेकित बाल विकास सेवाएँ (ICDS):

- **शुरुआत** : 2 अक्टूबर, 1975
- **उद्देश्य** :
- 0 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य स्थिति में सुधार करना।
- बच्चों के मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए आधार तैयार करना।
- मृत्यु दर, बीमारियों, कुपोषण और स्कूल ड्रॉपआउट की दर को घटाना।
- इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्तमान में राजस्थान में 363 बाल विकास परियोजनाएँ संचालित हैं।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>युद्धाभ्यास खड़ग शक्ति - 2026</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, भारतीय सेना की पश्चिमी कमान द्वारा युद्धाभ्यास खड़ग शक्ति - 2026 का आयोजन किया गया।आयोजन स्थल : महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (MFFR), बीकानेर।आयोजक : पश्चिमी कमान की अंबाला स्थित 'खड़ग कोर'।युद्धाभ्यास खड़ग शक्ति 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पश्चिमी कमान का सबसे बड़ा उच्च-तीव्रता वाला युद्धाभ्यास है।इसमें ड्रोन वारियर्स, स्वार्म ड्रोन, लोइटर म्यूनिशन (Loiter Munitions) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित निर्णय उपकरणों का बड़े पैमाने पर परीक्षण किया गया।
2.	<p>टेराकोटा स्किल सेंटर - पोकरण (प्रस्तावित)</p> <ul style="list-style-type: none">कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा पोकरण में टेराकोटा स्किलिंग सेंटर खोला जाएगा।टेराकोटा (Terracotta) या मृणशिल्प (पकी हुई मिट्टी की कला) एक प्राचीन और समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा है। इसका मुख्य केंद्र राजसमंद जिले का मोलेला गाँव है, जो अपनी अनूठी 'मृणकला' के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
3.	<p>ऑपरेशन शस्यविषम</p> <ul style="list-style-type: none">ऑपरेशन शस्यविषम राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) द्वारा नशे के विरुद्ध चलाया गया एक विशेष अभियान है। फरवरी, 2026 में इस ऑपरेशन के तहत अवैध अफीम की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है।इस ऑपरेशन का मुख्य लक्ष्य अवैध रूप से की जा रही नशे की खेती (विशेषकर अफीम) को चिह्नित कर नष्ट करना है। 'शस्य' का अर्थ फसल है और गुप्त रूप से की जा रही यह खेती समाज में 'विष' (जहर) घोलने के समान है, इसीलिए इसे 'शस्यविषम' नाम दिया गया है।

--7--

4.	<p>“ग्राम संसद” कार्यक्रम</p> <ul style="list-style-type: none">23 फरवरी, 2026 को जयपुर में ‘ग्राम संसद - राजस्थान सरपंच संवाद’ कार्यक्रम आयोजित किया गया।उद्देश्य: ग्रामीण प्रशासन में सरपंचों की भूमिका, महिला सशक्तीकरण, तकनीक के माध्यम से बेहतर प्रशासन और युवाओं की भागीदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा करना।
5.	<p>"फिएट जस्टिशिया" राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता</p> <ul style="list-style-type: none">मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (MLSU), उदयपुर के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ द्वारा हाल ही में "फिएट जस्टिशिया" राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।विजेता विश्वविद्यालय : जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय (JNVU), जोधपुर।उपविजेता : सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे।सर्वश्रेष्ठ वक्ता : अनिरुद्ध सोनी (जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर)।सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता : मनरीत कौर सिद्धू (राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटियाला)।
6.	<p>प्रिंटपैक राजस्थान प्रदर्शनी का पहला संस्करण</p> <ul style="list-style-type: none">21 से 23 फरवरी, 2026 तक प्रिंटपैक राजस्थान प्रदर्शनी का पहला संस्करण जयपुर में आयोजित किया गया।स्थान : जयपुर एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC), सीतापुरा, जयपुर।आयोजक : इंडियन प्रिंटिंग पैकेजिंग एंड एलाइड मशीनरी मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (IPAMA)।समारोह में जयपुर के उद्योगपति निर्मल गोयल को 'प्रिंट श्री अवार्ड 2025' से सम्मानित किया गया।
7.	<p>ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों (FMCBG) की बैठक : जयपुर</p> <ul style="list-style-type: none">भारत की 2026 ब्रिक्स (BRICS) अध्यक्षता के तहत ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (FMCBG) की पहली बैठक जयपुर में आयोजित होगी।

8.	<p>रणजीव शंकर : राजस्थान के क्षेत्रीय निदेशक</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, रणजीव शंकर ने राजस्थान के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।
9.	<p>अरावली संरक्षण से सम्बंधित विशेष परियोजना</p> <ul style="list-style-type: none">राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट में अरावली में पौधरोपण, उसके संरक्षण और अरावली से निकलने वाली नदियों के सोर्स के बेहतर रखरखाव के लिए ₹130 करोड़ का बजट आवंटन किया गया।5 जून, 2025 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अरावली संरक्षण से सम्बंधित विशेष परियोजना का शुभारम्भ किया था।
10.	<p>कवि श्री काग बापू लोक साहित्य अवॉर्ड - 2026</p> <ul style="list-style-type: none">जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय (JNVU), जोधपुर के राजस्थानी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजया अमरावत को वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित 'कवि श्री काग बापू लोक साहित्य अवॉर्ड-2026' से सम्मानित किया गया।यह पुरस्कार उन्हें गुजरात के कागधाम (मजधर गाँव) में आयोजित एक समारोह के दौरान प्रदान किया गया।डॉ. अमरावत को यह सम्मान राजस्थानी चारण साहित्य के संरक्षण, संवर्धन और इस क्षेत्र में किए गए उनके उत्कृष्ट शोध कार्यों के लिए दिया गया।
11.	<p>अशोक बिश्नोई : संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में सम्मानित</p> <ul style="list-style-type: none">20 फरवरी, 2026 को त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में 'संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में राजभाषा हिंदी को अपने कार्यालय में लागू करने में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अशोक बिश्नोई (IRS, CGST जयपुर) को उत्तर क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय परिदृश्य

बाफ्टा पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- भारतीय फ़िल्म बूंग ने बाफ्टा पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक फ़िल्म का पुरस्कार जीता है।



मुख्य बिन्दु:

फ़िल्म 'बूंग' (Boong)

- यह मणिपुरी भाषा की फ़िल्म है। इसकी निर्देशक लक्ष्मीप्रिया देवी हैं।
- इस फ़िल्म की कहानी मणिपुर में जारी संघर्ष के बीच एक छोटे लड़के की भावनात्मक यात्रा को दिखाती है, जो अपने विखंडित परिवार को फिर से जोड़ने की कोशिश करता है।

बाफ्टा पुरस्कार

- **स्थापना:** 1947 ई., यूनाइटेड किंगडम
- यह पुरस्कार समारोह फ़िल्म, टेलीविज़न, गेम्स, बाल-मीडिया में उत्कृष्टता को सम्मानित करता है।
- **पुरस्कार समारोह:** प्रत्येक वर्ष लंदन में ब्रिटिश एकेडमी ऑफ़ फ़िल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (BAFTA) द्वारा आयोजित।

आर्थिक घटनाक्रम

नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (RRTS)

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री ने भारत की प्रथम 'नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (RRTS)' का उद्घाटन किया।



मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के भीतर कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव लाना। इससे यात्री स्थानीय शहर की यात्रा और दिल्ली के लिए सीधी परिवहन सेवा के बीच सुलभता से आवाजाही कर सकेंगे।

नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (RRTS)

- यह एक नई रेल-आधारित, सेमी-हाई-स्पीड (180 किमी/ घंटा तक) और दैनिक यात्री पारगमन प्रणाली है।
- **मेट्रो से भिन्न:** यह उच्च गति और कम ठहराव के साथ लंबी दूरी की यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी।
- **पारंपरिक ट्रेनों से भिन्न:** यह एक समर्पित मार्ग पर उच्च आवृत्ति के साथ बिंदु-दर-बिंदु क्षेत्रीय यात्रा सुनिश्चित करेगी।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (केंद्र सरकार और राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा व दिल्ली के बीच एक संयुक्त उद्यम)।

-:11:-

योजनाएँ एवं नीतियाँ

संकल्प (SANKALP) योजना

चर्चा में क्यों?

- लोक लेखा समिति ने "आजीविका संवर्धन के लिए कौशल अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता' योजना में कई कमियों को रेखांकित किया है।



मुख्य बिन्दु:

- इनमें योजना निर्माण में कमियाँ, आवंटित राशि का पूरा उपयोग न होना तथा केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय की कमी शामिल हैं।

संकल्प योजना

- SANKALP का पूर्ण रूप:** स्किल एक्विज़िशन एंड नॉलेज अवेयरनेस फॉर लाइवलीहुड प्रमोशन।
- प्रारंभ:** 2018
- उद्देश्य:** प्रशिक्षण संस्थाओं में सुधार करके अल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता और दायरा बढ़ाना, बाजार की मांग के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण, वंचित वर्गों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ना।
- मंत्रालय:** केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय।
- वित्तपोषण:** विश्व बैंक से ऋण सहायता।

-:12:-

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

पैक्स सिलिका (Pax Silica) पहल

चर्चा में क्यों?

- भारत पैक्स सिलिका पहल में शामिल हुआ। साथ ही, भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका AI साझेदारी पर एक द्विपक्षीय संयुक्त वक्तव्य के साथ इस पहल में अपनी सदस्यता दर्ज की।



मुख्य बिन्दु:

पैक्स सिलिका पहल (2025)

- 'पैक्स' (Pax) एक ऐतिहासिक शब्द है, जो शांति, स्थिरता और समृद्धि का प्रतीक है।
- यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा पर एक अमेरिकी नेतृत्व वाली पहल है। यह सहयोगियों और विश्वसनीय भागीदारों के बीच एक नई आर्थिक सुरक्षा सहमति को बढ़ावा देती है।

मुख्य उद्देश्य:

- निर्भरता को कम करना।
- वैश्विक तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के लिए साझेदारी करना।
- AI आपूर्ति श्रृंखला के अवसरों को बढ़ाना एवं कमियों को दूर करना और संयुक्त निवेश की संभावनाएँ तलाशना।
- संवेदनशील प्रौद्योगिकियों की रक्षा करना और विश्वसनीय डिजिटल अवसंरचना का निर्माण करना आदि।
- **हस्ताक्षरकर्ता देश:** भारत, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इजरायल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम।

भारत के लिए पैक्स सिलिका का रणनीतिक महत्त्व

- **महत्त्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा:** उदाहरण- ऑस्ट्रेलिया लिथियम का अग्रणी निर्यातक है और वहाँ महत्त्वपूर्ण दुर्लभ भू-खनिज के भंडार भी हैं।
- **चीन पर निर्भरता कम करना:** चीन दुर्लभ भू-खनिज का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है और उसके पास इन संसाधनों के वैश्विक प्रवाह को नियंत्रित करने की क्षमता है। यह पहल उस निर्भरता को कम करेगी।
- **घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा:** इस सदस्यता से भारत को AI और प्रौद्योगिकी क्षेत्रक में अरबों डॉलर के निवेश को आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। इससे घरेलू विनिर्माण उद्योग को मजबूती मिलेगी।

ब्राजील के राष्ट्रपति की भारत यात्रा



चर्चा में क्यों?

- ब्राजील के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई तथा दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को 2030 तक \$20 बिलियन से बढ़ाकर \$30 बिलियन करने का निर्णय लिया।



मुख्य बिन्दु:

- दोनों देशों ने अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

यात्रा के मुख्य परिणाम

- **रणनीतिक समझौता ज्ञापन:** कुल 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें विशेष रूप से दुर्लभ भू तत्त्व और महत्वपूर्ण खनिज, डाक क्षेत्रक, MSME उद्यमिता और फार्मास्युटिकल नियमों को शामिल किया गया है।
- **डिजिटल सहयोग:** भविष्य के लिए 'डिजिटल साझेदारी' पर एक संयुक्त घोषणा-पत्र/कार्य योजना को अपनाया गया।
- **वीज़ा सुविधा:** पारस्परिक आधार पर पर्यटन और बिजनेस वीज़ा की वैधता को 5 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष कर दिया गया।

भारत-ब्राजील संबंध

- **राजनयिक संबंध:** दोनों देशों के बीच 1948 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, जिन्हें 2006 में 'रणनीतिक साझेदारी' में बदला गया था।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** दोनों देश BRICS, BASIC, G-20, G-4, IBSA जैसे मंचों और संयुक्त राष्ट्र, WTO, UNESCO एवं WIPO जैसे वैश्विक निकायों में मिलकर सहयोग करते हैं।
- **व्यापार:** दोनों देश भारत-मर्कोसुर (MERCOSUR) अधिमान्य व्यापार समझौते (PTA) के तहत सक्रिय हैं।
- **नवीकरणीय ऊर्जा:** ब्राजील वैश्विक जैव-ईंधन गठबंधन (GBA) का सह-संस्थापक सदस्य बना।
- ब्राजील ने 2022 में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) समझौते की अभिपुष्टि की थी।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी ⚠

सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP)

📢 चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने स्वदेश में निर्मित टेटनस एवं वयस्क डिप्थीरिया (Td) वैक्सीन का शुभारंभ किया। इसे औपचारिक रूप से सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) के तहत शामिल किया गया है।

📌 मुख्य बिन्दु:

भारतीय सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम

- **शुरुआत:** वर्ष 1978 में इसे विस्तारित टीकाकरण कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया। 1985 ई. में इसका नाम बदलकर सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) रखा गया।
- **कवरेज:** 12 बीमारियों के खिलाफ निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जाता है।
- **देशभर में (11 बीमारियों से बचाव हेतु):** डिप्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, पोलियो, खसरा, रूबेला, बाल टीबी का गंभीर रूप, रोटावायरस दस्त, हेपेटाइटिस-बी, हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप-बी से होने निन्जाइटिस व निमोनिया, न्यूमोकोकल निमोनिया।
- **क्षेत्र-विशेष (1 बीमारी):** जापानी एन्सेफलाइटिस (केवल प्रभावित जिलों में)
- **उपलब्धियाँ:** पोलियो-मुक्त भारत (2014), नवजात टेटनस का उन्मूलन (2015)

मुख्य पहलें:

- **गहन मिशन इंद्रधनुष 5.0 (IMI 5.0):** खसरा और रूबेला टीकाकरण के प्रसार पर विशेष जोर।
- U-WIN पोर्टल, आदि।

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

पण्य व्यापार सूचकांक (Merchandise Trade Indices)

चर्चा में क्यों?

- पण्य व्यापार सूचकांक को संशोधित किया गया है ताकि भारत के व्यापार की बदलती संरचना और वैश्विक व्यापार पैटर्न में आए बदलावों को बेहतर ढंग से दर्शाया जा सके।

मुख्य बिन्दु:

पण्य व्यापार सूचकांक

- संकलन और प्रकाशन:** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत वाणिज्यिक जानकारी और सांख्यिकी महानिदेशालय द्वारा।
- उद्देश्य:** समय के साथ भारत के निर्यात और आयात की इकाई मूल्यों और मात्रा में होने वाले बदलावों को मापना।
- आधार वर्ष में संशोधन:** वित्त वर्ष 2012-13 से बदलकर वित्त वर्ष 2022-23 किया गया।
- पण्य व्यापार सूचकांक में कई सूचकांक शामिल होते हैं, जैसे—निर्यात इकाई मूल्य सूचकांक, आयात इकाई मूल्य सूचकांक, टर्म्स ऑफ ट्रेड, आदि।